वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 12वीं बैठक का आयोजन हुआ

प्रशान्त ज्योति न्यूज

पोकरण। कृषि विज्ञान केन्द्र पोकरण पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 12 वीं बैठक का आयोजन कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में किया गया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति ने पर्यावरण अनुकूल फसलों एवं पशुपालन पर जोर देते हुए केन्द्र द्वारा संचालित गतिविधियों एवं कार्यरत वैज्ञानिकों द्वारा किये गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य व केन्द्र सरकार के विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी साथ मिलकर कार्य करते है तो जिले का विकास एवं कृषकों की कुशलता को मजबूती प्रदान कर पायेंगे। निदेशक प्रसार शिक्षा बीकानेर के डॉ. सुभाष चन्द्र ने क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सहायता समूह एवं किसान उत्पादन संगठन अपने कार्यों को केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक जिला - एक उत्पाद के अनुरूप उत्पादों का चयन करके किसानों की आर्थिक आमदनी में इजाफा करें। उन्होंने कहा कि अच्छे एवं सफल किसानों को ब्राण्ड एम्बेसेडर के तौर पर केन्द्र द्वारा आगे लाया जाए। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दशरथ प्रसाद ने पूर्व बैठक में दिए गए सुझावों के अनुरूप केन्द्र द्वारा किये गए कार्यों को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सदस्यों के सम्मुख अवगत कराया। सस्य वैज्ञानिक डॉ. कृष्ण गोपाल व्यास एवं पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. राम निवास ने केन्द्र द्वारा सम्पादित विषयवार खरीफ 2023 के प्रगति प्रतिवेदन तथा खरीफ 2024 की भावी कार्ययोजना को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। दो फोल्डर का विमोचन भी कुलपति द्वारा किया गया। केंद्र पर कुलपति निदेशक, अध्यक्ष ने अपने नाम के पौधे भी लगाए, बैठक में काजरी जैसलमेर के डॉ. सुगन कुमार मीणा, पशुधन अनुसंधान केन्द्र चांधन से डॉ. सुबीता कुमारी, नाबार्ड के डीडीएम प्रदीप कुमार, कृषि विभाग से मदन सिंह, पशुपालन विभाग से पृथ्वीराज सोलंकी, कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर से डॉ. एस. पी. सिंह, उरमूल संस्था से श्रीमती सज्जन भाटी, किसान उत्पादन संगठन से नवला राम, भैंसड़ा के स्वयं सहायता समूह से श्रीमती सोहन कंवर तथा श्रीमती गुड्डी देवी ने अपने अपने सुझाव दिये। कार्यक्रम के अंत मे वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ दशरथ प्रसाद ने बैठक में आये हुए सदस्यों आभार प्रकट किया।

पर्यावरण अनुकूल फसलों व पशुपालन पर दिया जोर

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पोकरण. बैठक में उपस्थित संभागी। पत्रिका

पोकरण. कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में शुक्रवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 12वीं बैठक कुलपति डॉ.अरुणकुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ.अरुणकुमार ने पर्यावरण अनुकूल फसलों एवं पशुपालन पर जोर दिया और केन्द्र की संचालित गतिविधियों एवं कार्यरत वैज्ञानिकों की ओर से किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य व केन्द्र सरकार के विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी साथ मिलकर कार्य करते है तो जिले का विकास एवं कृषकों की कुशलता को मजबूती प्रदान कर पाएंगे।

प्रसार शिक्षा बीकानेर के निदेशक सुभाषचंद्र ने कहा कि क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सहायता समूह एवं किसान उत्पादन संगठन अपने कार्यों को केन्द्र सरकार की ओर से संचालित एक जिला-एक उत्पाद के अनुरूप उत्पादों का चयन कर किसानों की आर्थिक आमदनी में इजाफा कर सकते है। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दशरथप्रसाद ने पूर्व बैठक में दिए गए सुझावों के अनुरूप केन्द्र की ओर से किए गए कार्यों को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सदस्यों के सम्मुख अवगत करवाया। शस्य वैज्ञानिक कृष्णगोपाल व्यास एवं पशुपालन वैज्ञानिक रामनिवास ने केन्द्र की ओर से सम्पादित विषयवार खरीफ 2023 के प्रगति प्रतिवेदन और खरीफ 2024 की कार्ययोजना को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

इस मौके पर कुलपति की ओर से दो फोल्डर का विमोचन भी किया गया। इस दौरान परिसर में कुलपति, निदेशक, अध्यक्ष ने अपने नाम के पौधे भी लगाए। बैठक में काजरी जैसलमेर के डॉ.सुगनकुमार मीणा, पशुधन अनुसंधान केन्द्र चांधन से सुबीताकुमारी, नाबार्ड के डीडीएम प्रदीपकुमार, कृषि विभाग से मदनसिंह, पशुपालन विभाग से पृथ्वीराज सोलंकी, कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर से डॉ.एसपीसिंह, उरमूल संस्था से सज्जन भाटी, किसान उत्पादन संगठन से नवलाराम, भैंसड़ा के स्वयं सहायता समूह से सोहनकंवर व गुड्डीदेवी ने अपने सुझाव दिए। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष दशरथप्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दैनिक भास्कर
जैसलमेर-पोकरण भास्कर 27-07-2024

कृषि विज्ञान केन्द्र सलाहकार समिति की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

भास्कर संवाददाता | पोकरण

पोकरण. कृषि विज्ञान केन्द्र सलाहकार समिति की बैठक में आयोजित।

कृषि विज्ञान केन्द्र पोकरण पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 12 वीं बैठक का आयोजन कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में किया गया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति ने पर्यावरण अनुकूल फसलों एवं पशुपालन पर जोर देते हुए केन्द्र द्वारा संचालित गतिविधियों एवं कार्यरत वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य व केन्द्र सरकार के विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी साथ मिलकर कार्य करते हैं तो जिले का विकास एवं कृषकों की कुशलता को मजबूती प्रदान कर पाएंगे।

निदेशक प्रसार शिक्षा बीकानेर के डॉ. सुभाष चन्द्र ने क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सहायता समूह एवं किसान उत्पादन संगठन अपने कार्यों को केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक जिला - एक उत्पाद के अनुरूप उत्पादों का चयन करके किसानों की आर्थिक आमदनी में इजाफा करें। उन्होंने कहा कि अच्छे एवं सफल किसानों को ब्रांड एंबेसेडर के तौर पर केन्द्र द्वारा आगे लाया जाए। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दशरथ प्रसाद ने पूर्व बैठक में दिए गए सुझावों के अनुरूप केन्द्र द्वारा किए गए कार्यों को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सदस्यों के सम्मुख अवगत कराया। सस्य वैज्ञानिक डॉ. कृष्ण गोपाल व्यास एवं पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. राम निवास ने केन्द्र द्वारा सम्पादित विषयवार खरीफ 2023 के प्रगति प्रतिवेदन तथा खरीफ 2024 की भावी कार्ययोजना को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। दो फोल्डर का विमोचन भी कुलपति द्वारा किया गया। केंद्र पर कुलपति निदेशक, अध्यक्ष ने अपने नाम के पौधे भी लगाए। बैठक में काजरी जैसलमेर के डॉ. सुगन कुमार मीणा, पशुधन अनुसंधान केन्द्र चांदन से डॉ. सुबीता कुमारी, नाबार्ड के डीडीएम प्रदीप कुमार, कृषि विभाग से मदन सिंह, पशुपालन विभाग से पृथ्वीराज सोलंकी, कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर से डॉ. एस. पी. सिंह, उरमूल संस्था से सज्जन भाटी, किसान उत्पादन संगठन से नवलाराम, भैंसड़ा के स्वयं सहायता समूह से सोहन कंवर तथा गुड्डी देवी ने सुझाव दिए। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दशरथ प्रसाद ने बैठक में आए हुए सदस्यों का आभार प्रकट किया।

दैनिक भास्कर
जैसलमेर-पोकरण भास्कर 26-07-2024

कृषि विज्ञान केंद्र में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

पशुपालन आधारित आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में करें काम: डॉ. अरुण कुमार

भास्कर संवाददाता | जैसलमेर

कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर में गुरुवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. अरुण कुमार ने की। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को जिले के किसानों की पशुपालन आधारित प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में काम करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जिले में हरे चारे की आवश्यकता को देखते हुए सेवण व नेपियर आदि घास की फसलों के बीज विश्वविद्यालय स्तर से उपलब्ध करने का प्रयास करें। बैठक में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने वर्ष खरीफ 2023 एवं 2024 का प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी खरीफ की योजना के लिए केंद्र से संचालित समस्त गतिविधियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने केंद्र द्वारा किए गए नवाचार एवं किसानों की आय में वृद्धि पर की गई गतिविधियों से अवगत कराया।

कृषि उन्नतीकरण व प्रगति की दिशा में काम के लिए दिए सुझाव

जैसलमेर. वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक व अन्य अधिकारी।

बैठक में संयुक्त निदेशक पशुपालन सुरेंद्र तंवर, खजूर उत्कर्षता भोजका केंद्र के उप निदेशक प्रतापसिंह कुशवाह, कृषि विभाग जैसलमेर उप निदेशक सीताराम, अध्यक्ष एवं कृषि वैज्ञानिक क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र काजरी डॉ. राधेश्याम मेहता, एलआरएस चांधन डॉ. सुबीता कुमारी आदि ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों से आए अधिकारियों एवं गैर सरकारी संस्थानों के प्रभारियों ने जिले के कृषि उन्नतीकरण एवं प्रगति की दिशा में अपने अपने सुझावों से अवगत कराया। प्रगतिशील किसान ओमप्रकाश केवलिया ने जिले की दुर्लभ वनस्पतियों का केफेटेरिया बनाकर किसानों को प्रदर्शित करने का सुझाव दिया। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के गृह वैज्ञानिक डॉ. चारु शर्मा, मृदा वैज्ञानिक डॉ. बबलू शर्मा ने भी अपने अपने विषय में किए गए कार्य को प्रस्तुत किया।

खेती में आधुनिक तकनीक का उपयोग

निदेशक कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोधपुर डॉ. जेपी मिश्रा ने उन्नत प्रौद्योगिकी एवं संसाधनों का उचित जगह चयन करके उपयोग करने पर बल दिया। डॉ. रवि गोपालसिंह ने आधुनिक तकनीक का उपयोग से किसानों की आवश्यकता एवं भोगोलिक दृष्टिकोण के लिए रिमोट सेंसिंग, जीआईएस मैपिंग से संसाधनों एवं मृदा स्वास्थ्य पर कार्य करने पर जोर दिया। निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. सुभाष चौधरी ने किसानों की आर्थिक स्थिति एवं राजस्व सर्जन के मूल्यांकन करने की आवश्यकता जताई।